औषधीय खेती को देंगे बढ़ावा : कर्ण

देव सदन में आयोजित कार्यशाला में बोले मंत्री

कहा, जड़ी-बूटी के विक्रेताओं के लिए आयुर्वेद विभाग करेगा मेलों का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

कुल्लू।

कुल्लू के देव सदन में आयुर्वेद विभाग के अधीन राज्य औषधीय पादप बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सौजन्य से औषधीय पौधों पर एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए आयुर्वेद एवं सहकारिता मंत्री कर्ण सिंह ने कहा कि हिमाचल में औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों का अपार भंडार है। इनकी व्यवसायिक खेती, उत्पादन और बेहतर विपणन के लिए आयुर्वेद विभाग विशेष पहल करने जा रहा है।

कर्ण सिंह ने बताया कि प्रदेश में जड़ी-बूटियों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद विभाग अगले वर्ष से वन महोत्सवों की तरह औषधि पादप महोत्सव मनाने पर विचार कर रहा है। विभाग आरोग्य मेलों का भी आयोजन करेगा तथा हर जिला में जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, क्रेताओं और विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जाएंगे। इससे किसान-बागवान जड़ी-बूटियों के एकत्रीकरण व खेती के लिए प्रेरित होंगे और उन्हें फार्मेसियों व दवा निर्माताओं के माध्यम से अच्छे दाम भी मिलेंगे। सभी आयुर्वेद केंद्रों, अस्पतालों व विभाग के अन्य परिसरों में बड़े पैमाने पर औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। बंजार विधानसभा क्षेत्र के बजौरा में आयुष कॉलेज, अस्पताल व हर्बल गार्डन की स्थापना को मंजूरी दी जा चुकी है। इसके लिए जमीन हस्तांतरण प्रक्रिया जारी है। इस मौके पर आयुर्वेद मंत्री ने औषधीय पौधों की खेती से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र में आयुर्वेद विभाग की प्रधान सचिव निशा सिंह और निदेशक डॉ. आरके पुरुथी ने कर्ण सिंह का स्वागत किया। सम्मेलन के अन्य सत्रों में आईएचबीटी पालमपुर के निदेशक डॉ. संजय कुमार, डॉ. डीआर नाग, नौणी विश्वविद्यालय के डॉ. कुलवंत कुमार, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के निदेशक बीएस राणा, जीबी पंत संस्थान के डॉ. एसएस सामंत, डॉ. अरुण चंदन और कई अन्य विशेषज्ञों ने जड़ी-बूटियों के क्रेताओं-विक्रेताओं का मार्गदर्शन किया। सम्मेलन में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के हिमाचल प्रभारी डॉ. सुनील दत्त, आयुर्वेद विभाग की संयुक्त निदेशक भावना शर्मा, मंडी संसदीय क्षेत्र युकां अध्यक्ष आदित्य विक्रम सिंह भी उपस्थित रहे।

कुल्लू के देवसदन में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते कृषि वैज्ञानिक और किसान।

पंजाब केसरी

औषधीय खेती को बढ़ावा देगा विभाग

जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, क्रेताओं व विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जाएंगे : कर्ण

कुल्लू, 14 सितम्बर (पाल): हिमाचल प्रदेश में जड़ी-बूटियों के उत्पादन की बहुत ज्यादा संभावनाएं हैं। इनको बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद विभाग अगले वर्ष से वन महोत्सवों की तरह औषधि पादप महोत्सव मनाने पर विचार कर रहा है। आयुर्वेद एवं सहकारिता मंत्री कर्ण सिंह ने यह बात कही। वे यहां देव सदन में विभाग के अधीन राज्य औषधीय पादप बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सौजन्य से औषधीय पौधों पर आयोजित एकदिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

इस सम्मेलन में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों व अधिकारियों के अलावा जड़ी-बूटियों की खेती व एकत्रीकरण से जुड़े प्रदेश भर के किसानों, कारोबारियों, फार्मेसी संचालकों और दवा निर्माताओं ने भी भाग लिया।

मंत्री ने कहा कि विभाग आरोग्य मेलों का भी आयोजन करेगा तथा हर जिला में जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, क्रेताओं व विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जाएंगे। इससे किसान-बागवान जड़ी-बूटियों के एकत्रीकरण व खेती के लिए प्रेरित होंगे और उन्हें फार्मेसियों व दवा निर्माताओं के माध्यम से अच्छे दाम भी मिलेंगे।

उद्घाटन सत्र में आयुर्वेद विभाग की प्रधान सचिव निशा सिंह और निदेशक डा. आर.के. पुरुथी ने कर्ण सिंह का स्वागत किया। उन्होंने सम्मेलन की रूपरेखा और विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। विभाग के ओ.एस.डी. डा. दिनेश कुमार ने मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों और दवा निर्माताओं का आभार व्यक्त किया।

ये रहे उपस्थित

सम्मेलन के अन्य सत्रों में आई.एच.बी.टी. पालमपुर के निदेशक डा. संजय कुमार, डा. वी.आर. नाग, नौणी विश्वविद्यालय के डा. कुलवंत कुमार, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के निदेशक बी.एस. राणा, जी.बी. पंत संस्थान के डा. एस.एस. सामंत, डा. अरुण चंदन, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के हिमाचल प्रभारी डा. सुनील दत्त, आयुर्वेद विभाग की संयुक्त निदेशक भावना शर्मा, मंडी संसदीय क्षेत्र युवा कांग्रेस अध्यक्ष आदित्य विक्रम सिंह भी उपस्थित थे।

कुल्लू : देवसदन में औषधीय पौधों पर आयोजित एकदिवसीय सम्मेलन के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते आयुर्वेद एवं सहकारिता मंत्री कर्ण सिंह। (पुरम)

अस्पताल परिसरों में लगाएंगे औषधीय पौधे

कर्ण सिंह ने बताया कि सभी आयुर्वेद डिस्पैंसरियों, अस्पतालों व विभाग के अन्य परिसरों में बड़े पैमाने पर औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। इस मौके पर आयुर्वेद मंत्री ने औषधीय पौधों की खेती से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया।

जागरण सिटी
कुल्लू

औषधीय खेती को देंगे बढ़ावा

कर्ण सिंह ने देव सदन में औषधीय पौधों पर सम्मेलन का किया उद्घाटन

- विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, फार्मेसी संचालकों और किसानों ने लिया भाग
- आयुर्वेद विभाग अगले वर्ष से औषधि पादप महोत्सव मनाने पर कर रहा विचार

संवाद सूत्र, कुल्लू : आयुर्वेद एवं सहकारिता मंत्री कर्ण सिंह ने कहा कि प्रदेश में औषधीय पौधों व जड़ी-बूटियों का अपार भंडार है। इनकी व्यावसायिक खेती, उत्पादन और बेहतर विपणन के लिए आयुर्वेद विभाग विशेष पहल करने जा रहा है।

बुधवार को देव सदन में विभाग के अधीन राज्य औषधीय पादप बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सौजन्य से औषधीय पौधों पर एक दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कर्ण सिंह ने यह जानकारी दी। सम्मेलन में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों व अधिकारियों के अलावा जड़ी-बूटियों की खेती व एकत्रीकरण से जुड़े प्रदेशभर के किसानों, कारोबारियों, फार्मेसी संचालकों और दवा निर्माताओं ने भी भाग लिया।

कर्ण सिंह ने बताया कि प्रदेश में जड़ी-बूटियों के उत्पादन की बहुत ज्यादा संभावनाएं हैं। इनको बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद विभाग अगले वर्ष से वन महोत्सवों की तरह औषधि पादप महोत्सव मनाने पर विचार कर रहा है। विभाग आरोग्य मेलों का भी आयोजन करेगा तथा हर जिला में जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, क्रेताओं व विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जाएंगे। इससे किसान-बागवान जड़ी-बूटियों के एकत्रीकरण व खेती के लिए प्रेरित होंगे और उन्हें फार्मेसी व दवा निर्माताओं के माध्यम से अच्छे दाम भी मिलेंगे।

कर्ण सिंह ने बताया कि सभी आयुर्वेद केंद्रों, अस्पतालों व विभाग के अन्य परिसरों में बड़े पैमाने पर औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। बंजार विधानसभा क्षेत्र के बजौरा में आयुष कॉलेज, अस्पताल व हर्बल गार्डन की स्थापना को मंजूरी दी जा चुकी है। इसके लिए जमीन हस्तांतरण प्रक्रिया जारी है। इस मौके पर आयुर्वेद मंत्री ने औषधीय पौधों की खेती से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र में आयुर्वेद विभाग की प्रधान सचिव निशा सिंह और निदेशक डॉ. आरके पुरुथी ने कर्ण सिंह का स्वागत किया। उन्होंने सम्मेलन की रूपरेखा और विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। विभाग के ओएसडी डॉ. दिनेश कुमार ने मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों और दवा निर्माताओं का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन के अन्य सत्रों में आइएचबीटी पालमपुर के निदेशक डॉ. संजय कुमार, डॉ. डीआर नाग, नौणी विश्वविद्यालय के डॉ. कुलवंत कुमार, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के निदेशक बीएस राणा, जीबी पंत संस्थान के डॉ. एसएस सामंत, डॉ. [illegible] चंद आदि ने मार्गदर्शन किया।

प्रदर्शनी मेले में पत्नी के साथ स्टालों को निहारते मंत्री कर्ण सिंह।

विद्या स्टोक्स

पहल

देवसदन में सम्मेलन के शुभारंभ पर बोले आयुर्वेद मंत्री कर्ण सिंह

औषधीय खेती को देंगे बढ़ावा

= जिला संवाददाता, कुल्लू

आयुर्वेद एवं सहकारिता मंत्री कर्ण सिंह ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में औषधीय पौधों व जड़ी-बूटियों का अपार भंडार है। इनकी व्यावसायिक खेती, उत्पादन और बेहतर विपणन के लिए आयुर्वेद विभाग विशेष पहल करने जा रहा है। बुधवार को देव सदन में विभाग के अधीन राज्य औषधीय पादप बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सौजन्य से औषधीय पौधों पर आयोजित एकदिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कर्ण सिंह ने यह जानकारी दी। इस सम्मेलन में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों व अधिकारियों के अलावा जड़ी-बूटियों की खेती व एकत्रिकरण से जुड़े प्रदेश भर के किसानों, कारोबारियों, फार्मेसी संचालकों और दवा निर्माताओं ने भाग लिया। कर्ण सिंह ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में जड़ी-बूटियों के उत्पादन की बहुत ज्यादा संभावनाएं हैं। इसको बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद विभाग अगले वर्ष से वन महोत्सवों की तरह औषधि पादप महोत्सव मनाने पर विचार कर रहा है। विभाग आरोग्य मेलों का भी आयोजन करेगा तथा हर जिला में जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जाएंगे। इस मौके पर आयुर्वेद मंत्री ने औषधीय पौधों की खेती से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र में आयुर्वेद विभाग की प्रधान सचिव निशा सिंह और निदेशक डा. आरके पुरुथी ने कर्ण सिंह का स्वागत किया। उन्होंने सम्मेलन की रूपरेखा और विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। विभाग के ओएसडी डा. दिनेश कुमार ने मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों और दवा निर्माताओं का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन के अन्य सत्रों में आईएचबीटी पालमपुर के निदेशक डा. संजय कुमार, डा. डीआर नाग, नौणी विश्वविद्यालय के डा. कुलवंत कुमार उपस्थित रहे।

दिव्य हिमाचल = जिला कार्यालय कुल्लू : 01902-226746, व्हाट्स ऐप 94181-47232, ई-मेल kullu@divyahimachal.com = बंजार 98160-31004 = पतलीकूहल 9

औषधीय खेती को बढ़ावा देगा आयुर्वेद विभाग: कर्ण

कुल्लू | आयुर्वेद एवं सहकारिता मंत्री कर्ण सिंह ने कहा है कि हिमाचल में औषधीय पौधों व जड़ी-बूटियों का अपार भंडार है। इनकी व्यवसायिक खेती, उत्पादन और बेहतर विपणन के लिए आयुर्वेद विभाग विशेष पहल करने जा रहा है। बुधवार को देव सदन में विभाग के अधीन राज्य औषधीय पादप बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सौजन्य से औषधीय पौधों पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कर्ण सिंह ने ये जानकारी दी। कर्ण सिंह ने बताया कि प्रदेश में जड़ी-बूटियों के उत्पादन की बहुत संभावनाएं हैं। इसको बढ़ावा देने के लिए विभाग अगले वर्ष से वन महोत्सवों की तरह औषधि पादप महोत्सव मनाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग हर जिलों में आरोग्य मेलों का भी. आयोजन करने जा रहा है।।